खबर संक्षेप

सीईओ जिला पंचायत ने प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं का किया निरीक्षण

मण्डला। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कूमट ने बिछिया विकासखंड भ्रमण के दौरान प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं ठौड़ा का निरीक्षण किया। सीईओ जिला पंचायत श्री कूमट ने विद्यालय में शिक्षा व्यवस्था, छात्रों की उपस्थिति, शिक्षकों की कार्यप्रणाली और मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने छात्रों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई के स्तर को परखा और शिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान सीईओ जनपद पंचायत बिछिया रमेश मंडावी सहित संबंधित उपस्थित थे।

अवैध उत्खनन के संबंध में 3.60 लाख रूपये का जुर्माना

मण्डला। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण पर प्रभावी रोकथाम हेतु मध्यप्रदेश शासन खनिज साधन विभाग से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में कलेक्टर मण्डला के निर्देशानुसार खनिज विभाग मण्डला द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन, अवैध परिवहन तथा अवैध भण्डारण के विरूद्ध कार्यवाहियाँ की जा रही है। इसी तारतम्य में 23 जुलाई को नैनपुर क्षेत्रान्तर्गत खनिज बोल्डर के अवैध उत्खनन के 3 प्रकरण दर्ज किये गये। उक्त दर्ज प्रकरणों में अवैध उत्खनित खनिज के संबंध में 3.60 लाख रूपये का जुर्माना प्रस्तावित किया गया है। संबंधित अवैध उत्खननकर्ताओं के विरुद्ध म०प्र० खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज कर कलेक्टर न्यायालय प्रेषित किया जा रहा है।

आखिर क्यों नहीं किया जा रहा अतिशेष शिक्षकों का समायोजन

उत्कृष्ट विद्यालय में भारी गड़बड़ी के आरोप

*** तीन पद स्वीकृत लेकिन आठ शिक्षक पदस्थ।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

शासकीय उत्कृष्ट हायर सेकंडरी स्कूल, मंडला में गणित विषय के केवल तीन स्वीकृत पद हैं, परंतु आठ शिक्षक पदस्थ होने से जिले के शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इस मामले का खुलासा विभिन्न समाचार पत्रों एवं मीडिया रिपोर्ट्स द्वारा किए जाने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे संदेह और भी गहरा गया है।

सूत्रों के अनुसार, इन शिक्षकों का समायोजन न किया जाना यह दर्शाता है कि या तो इनके पीछे कोई राजनीतिक संरक्षण है या फिर यह किसी प्रशासनिक मिलीभगत का परिणाम है। जबकि कार्यालय आयुक्त, जनजातीय कार्य, भोपाल द्वारा दिनांक 10 दिसंबर 2024 को जारी आदेश (क्रमांक/स्था. 4/टी (27)/2024/23422) में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि बिना सक्षम अनुमोदन के कोई भी स्थानांतरण या संलग्नीकरण न किया जाए।

उल्लेखनीय है कि उत्कृष्ट विद्यालयों में केवल विशेष रूप से चयनित शिक्षकों की ही पदस्थापना की जानी चाहिए। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या ये सभी आठ गणित शिक्षक चयनित हैं? यदि नहीं, तो यह नियमों का उल्लंघन और शासनादेश की अवहेलना है। वहीं विभागीय सूत्रों की जानकारी अनुसार माध्यमिक शिक्षक (गणित) की पदस्थापना या संलग्नीकरण कराया गया है जो केवल स्कूल में एक कालखंड लेते हैं और दिनभर फ्री रहकर बाहर घूमते रहते हैं।

इस पदस्थापना से जिले के अन्य विद्यालयों की स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है। उदाहरण के तौर पर घुघरी विकासखंड में प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल लगभग 30 स्कूल पूरी तरह से शिक्षक विहीन हैं और 86 स्कूलों में मात्र एक शिक्षक कार्यरत हैं। मजबूरी में पढ़ाई अतिथि शिक्षकों के भरोसे चल रही है, जिससे न केवल शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है बल्कि शासन पर अतिरिक्त आर्थिक भार भी पड़ रहा है।

विभागीय पोर्टल पर गलत जानकारी दर्ज करने की शिकायतें भी सामने आई हैं, जिससे भ्रम और अनियमितताएं और बढ़ गई हैं।

अब आवश्यकता है कि जिला प्रशासन इस मामले की निष्पक्ष जांच कराए और यह सुनिश्चित करे कि यदि यह पदस्थापनाएं आदेशविरुद्ध हैं, तो संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही शिक्षकों का समुचित समायोजन कर जिले में शिक्षक संकट को दूर किया जाए।

उत्कृष्ट विद्यालय मण्डला में गणित विषय के (वर्ग-2) आठ शिक्षक कर रहे कार्य

• स्वीकृत पद सिर्फ तीन: पदस्थापना में भारी गड़बड़ी का आरोप।

स्पष्ट आदेश के बावजूद उल्टी चाल

संलग्नीकरण और स्थानांतरण पर सवाल

वर्तमान में पदस्थ गणित शिक्षक (वर्ग-2)

घटिया योजना से शिक्षा व्यवस्था प्रभावित

अपने आप चल पड़ी भारी भरकम क्रेन

*** टला बड़ा हादसा, दुकान में जाकर घुसी क्रेन तो रूक सकी।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कल शाम लालीपुर क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब सड़क किनारे खड़ी एक भारी भरकम क्रेन अचानक से चल पड़ी। जैसे ही क्रेन चलती नजर आई आसपास खड़े लोगों के होश फाख्ता हो गये लोगों में दहशत तो तब मची जब देखा कि क्रेन को कोई भी ऑपरेट करने वाला बंदा क्रेन में नहीं था अब करे तो क्या वह तो गनीमत रही कि क्रेन सड़क की ओर नहीं गई अन्यथा आने-जाने वाले वाहनों की क्या गति होती है यह सोचकर ही लोग कांपकर रह गये। क्रेन उस ओर चली जिस ओर दुकानें थी और जब तक क्रेन गति पकड़ पाती तब तक सामने दुकान के लेंटर से जा टकराई और वहीं टिककर खड़ी हो गई। इस दौरान क्रेन के आगे के हिस्से से बिजली के तार उलझ गये और टूट गये। गनीमत यहां भी रही कि करेंट आदि से किसी को नुकसान नहीं हुआ। ज्ञात हो कि रोजाना इस स्थान पर सड़क किनारे दो-चार क्रेन खड़ी ही रहती है।

नगर परिषद भुआ बिछिया को मिला स्थाई अध्यक्ष एवं रजनी मरावी विजय घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

नगर परिषद भुआबिछिया जिला मण्डला क्षेत्रांतर्गत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित उप नगरीय निकाय निर्वाचन 2025 के तहत हाल ही में वार्ड क्रमांक 13 में संपन्न हुये चुनाव के पश्चात अध्यक्ष निर्वाचन सम्मिलन दिनांक 25 जुलाई 2025 को समय 11:00 बजे नगर परिषद भुआ बिछिया के सभा कक्ष में किया गया निर्वाचन हेतु पीठासीन अधिकारी (SDM) सोनाली देव एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी लक्ष्मण सिंह सारस एवं 14 पार्षदगणों की उपस्थिती में सम्मेलन बैठक 11.00 बजे स्थान- नगर परिषद भुआ बिछिया कार्यालय सभा कक्ष, में आहुत की गई निर्वाचन प्रक्रिया अंतर्गत निर्धारित समयावधि में 2 अभ्यर्थियों के नामनिर्देशन पत्र दाखिल किया पहला त्रिवेणी तेकाम एवं द्वितीय रजनी मरावी के द्वारा प्रस्तुत पत्र के पश्चात प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों की संमिक्षा इसी क्रम में अभ्यर्थी द्वारा नामनिर्देशन पत्र वापसी नहीं हुई 2 नामनिर्देशन पत्र स्वीकृत किये गये हैं इसके पश्चात मतदान प्रक्रिया पूर्ण हुई जिसमें अध्यक्ष पद हेतु कुल 14 मत डाले गये जिसमें रजनी मरावी को 8 मत एवं त्रिवेणी तेकाम को 6 मत प्राप्त हुये जिसके परिणाम स्वरूप 2 मतों से रजनी मरावी को अध्यक्ष पद में विजय घोषित करते हुये पीठासीन अधिकारी नगर परिषद बिछिया सोनली देव के द्वारा विजय घोषित कर निर्वाचन का प्रमाण पत्र प्रदान किया जिसमें निर्वाचित पदाधिकारियों के द्वारा निष्पक्षता से निर्वाचन कराया गया हैं।

कांग्रेस पार्षदों को किया गया सम्मानित

नगर परिषद बिछिया उपचुनाव में कांग्रेस 2 वोट से पीछे रही लेकिन कांग्रेस बिछिया में जनसमर्थन के साथ मजबूत विपक्ष की भूमिका को साबित किया। कांग्रेस के पार्षदों ने कांग्रेस के पक्ष में अपने मत दिए। कांग्रेस के पक्ष के सभी पार्षदों का ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय बिछिया में पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया एवं सम्मान किया गया। इसमें जिला महामंत्री समीर राठौर, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी, जोश सिंह ठाकुर शिवानन्द गोस्वामी जनपद पंचायत अध्यक्ष शकुना ऊईके, नगर परिषद उपाध्यक्ष रानू राजपूत पार्षद त्रिवेणी तेकाम, नारायणी साहु, विकास ग्वले नरेंद्र धुर्वे राजकुमारी धुर्वे, झुन्ना ठाकुर टेकराम राय चंदू मिश्रा अमर धुर्वे दादा भाई विश्वकर्मा अमन राजपूत अक्षत झारिया सोनू साहु समेत अन्य कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। भाजपा सत्ता पक्ष में होने के बाद भी कांग्रेस के पार्षदों को हिला नहीं पाई। भले ही भाजपा ने अपना अध्यक्ष बना लिया लेकिन जनता के मन में तो कांग्रेस ही विजित हुई है। पहले भी जो नगर परिषद चुनाव हुआ था उसमें भी जनता ने आशीर्वाद कांग्रेस को दिया था भले ही भाजपा ने सत्ता के दबाव से कांग्रेस पार्षद एवं नगर परिषद अध्यक्ष में अपने पाले में शामिल कर लिया लेकिन जनता जनार्दन के मन में तो कांग्रेस की छवि है।

अर्पित, सुमित और शिवनारायण का जूनियर बॉयज फुटबॉल टीम में चयन

मण्डला। मध्यप्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा जिला फुटबॉल संघ मंडला के तत्वाधान में 15 जून से 22 जून 2025 तक अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगता का आयोजन मंडला में किया गया था, जिसमे डी.एफ.ए. मंडला के खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन से नेशनल कैंप मैं मंडला के 6 खिलाड़ियो का चयन हुआ था। जूनियर नेशनल कैंप 6 जुलाई से 23 जुलाई 2025 तक सिवनी ज़िले मैं लगाया गया जिसमें मध्यप्रदेश के 32 खिलाड़ियों का चयन नेशनल कैंप के लिये हुआ। मंडला डी.एफ़.ए. के खिलाड़ी अर्पित कोर्चे, सुमित कुमार और शिवनारायण भारतीया के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मध्यप्रदेश टीम में 20 खिलाड़ियों मैं चयन हुआ। तीनो ही खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए यह सिद्ध कर दिया कि मेहनत और लगन से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। ज़िला फुटबॉल संघ के पंकज उसराठे ने बताया कि जूनियर नेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट मध्यप्रदेश के जिला बालघाट में 26 जुलाई से 5 अगस्त आयोजित किया जायेगा जिसमें फुटबॉल स्पर्धा में भाग लेकर अर्पित, सुमित और शिवनारायण को अच्छे प्रदर्शन करने के लिये मध्यप्रदेश संघ के सचिव अमित रंजन देव, ज़िला फुटबॉल संघ अध्यक्ष डॉ. दिलीप शर्मा, फुटबॉल सचिव अनिल सोनी, खेल अधिकारी विकास खराड़कर, सुनील दुबे, राजेश पाठक, भीष्म द्विवेदी, मैडम प्रिया नाडकर्णी, दिग्विजय सिंह, अनूप वासल, सत्यनारायण अग्रवाल, सुनील सराफ, चंद्रेश खरे, वेद प्रकाश कुलस्ते (गोल्डी), राम कृष्ण सेवाश्रम के स्वामी शारदातमानन्द, मतीन ख़ान, अभिनव जैन, जावेद ख़ान, समीर बाजपेई, बसंत चौधरी, आकाश खत्री, सोना दुबे, अरविंद पटले , केदार ठाकरे, संदीप कुछवाह, त्रिलोक डोगरें,पवन नंदा, राजीव धुर्वे, अभिषेक यादव, मुजवी हसन, देवेंद्र सरोते, प्रथम चौकसे, कुशल भवेदी, वशु सिधिया सहित नगर के सभी खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं दी।

मनमानी | यात्रियों से वसूला जा रहा तय सीमा से अधिक किराया

निजी बस संचालकों की मनमानी

*** नियम विरूद्ध दी जा रही है टिकट।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मण्डला से जबलपुर के बीच संचालित हो रही निजी बस सेवाएँ आम यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही हैं। इन बसों में तय किराया दरों से अधिक राशि वसूल की जा रही है, साथ ही यात्रियों को जो टिकट दिए जा रहे हैं, वे भी परिवहन नियमों के पूरी तरह विपरीत हैं। इससे यात्रियों में भारी आक्रोश व्याप्त है और जिला परिवहन विभाग से त्वरित कार्रवाई की मांग की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, म.प्र. शासन द्वारा अधिसूचना क्रमांक एफ-22-142-2004-आठ, भोपाल दिनांक 20 मई 2018 एवं दिनांक 20 अप्रैल 2021 को संशोधित आदेश के तहत प्रदेश में विभिन्न श्रेणियों की बसों के लिए अधिकतम किराया निर्धारित किया गया है। सामान्य प्रक्रम वाहनों के लिए यह किराया 1.25 रूपये प्रति किलोमीटर या उसके भाग के लिए तय है, जिसमें न्यूनतम 7.00 रूपये किराया लागू होता है। इसके अतिरिक्त रात्रिकालीन सेवा, डीलक्स, स्लीपर, ए.सी. और सुपर लग्जरी बसों के लिए क्रमशः 10% से 75% तक अतिरिक्त शुल्क की अनुमति है।

हालांकि, मण्डला से एम्पायर जबलपुर के बीच की लगभग 95 किलोमीटर की दूरी के लिए अधिकतम 120 रूपये तक ही किराया वसूल किया जा सकता है, लेकिन निजी बस संचालकों द्वारा यात्रियों से 150 रूपये तक वसूला जा रहा है। इस प्रकार प्रति यात्री 30 रूपये की अवैध वसूली की जा रही है, जो कि नियमों का सीधा उल्लंघन है।

गरीब यात्रियों पर सबसे अधिक असर

इस मनमानी वसूली का सबसे अधिक असर उन गरीब यात्रियों पर पड़ रहा है, जिनके पास सीमित साधन होते हैं। कई बार यात्री किराया न दे पाने की स्थिति में यात्रा ही छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं या फिर अन्य विकल्प तलाशने पड़ते हैं।

टिकटों पर नहीं होता कोई विवरण

यात्रियों को दिए जाने वाले टिकट भी नियमों के अनुरूप नहीं हैं। इन टिकटों पर न तो बस का नाम होता है, न ही वाहन क्रमांक, यात्रा की दूरी, तिथि अथवा किराया राशि का उल्लेख किया जाता है। इससे यात्रियों को यह जानना मुश्किल हो जाता है कि उन्हें कौन-सी सेवा और किस दर पर प्रदान की गई है। शिकायत करने पर भी उनके पास कोई वैध प्रमाण नहीं होता।

स्थानीय जनता की मांगें

इस अव्यवस्था को देखते हुए स्थानीय नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों ने जिला परिवहन विभाग से मांग कि है कि प्रत्येक बस में स्पष्ट रूप से अधिकृत किराया सूची चस्पा की जाए। टिकटों पर बस का नाम, वाहन क्रमांक, यात्रा की दूरी, तिथि और किराया राशि का स्पष्ट उल्लेख अनिवार्य किया जाए। निर्धारित किराया दरों से अधिक राशि वसूलने वाले बस संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

जनता में गहरा असंतोष-

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने इस गंभीर विषय पर ठोस कदम नहीं उठाए, तो यह समस्या आने वाले दिनों में और विकराल रूप ले सकती है। यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि गरीब और ईमानदार यात्रियों के साथ अन्याय भी है।

बस कंडक्टर द्वारा जो टिकट यात्रियों को दी जाती है वह किसी काम की नहीं होती भगवान ना करें यदि कभी कोई दुर्घटना हो जाए तो यात्री के पास इस तरह का कोई प्रमाण नहीं होता जिसके माध्यम से वह यह साबित कर सके कि उसने इस बस के माध्यम से इस स्थान से इस स्थान तक की यात्रा की है हो शान द्वारा किसी तरह की सहायता या मुआवजे एवं बीमा की राशि का वह हकदार बन सके क्योंकि टिकट पर ना तो गंतव्य का नाम ना ही दिनांक और ना ही समय आदि का उल्लेख होता है और ना ही डुप्लीकेट कोई कॉपी उनके पास सुरक्षित होती है जिससे इस प्रमाण को स्थापित किया जा सके लिहाजा इस तरह की टिकट देना एक बड़ा अपराध है जिस पर कठोरतम कार्रवाई की जाना चाहिए।

इनका कहना है :-

इस संबंध में पूर्व में कार्यवाही कर सभी बसों में किराया सूची चस्पा की गयी थी, अगर बसों किराया सूची नहीं लगी तो वह ग़लत है, पुनः इसकी जांच कराई जाएगी, उलंघन पाये जाने पर बस संचालकों को निर्देश दिये जायेंगे। जो टिकट जारी हो रहें उनकी भी जांच करायी जायेगी।

-विमलेश गुप्ता,
आरटीओ मण्डला

अंतर्राज्यीय ठग गिरफ्तार, लगभग 94 लाख की ठगी का खुलासा

*** मजदूरी हड़पने व फर्जी चेक देने का आरोपी।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

दिनांक 24.06.2025 को आवेदक बिहारी लाल यादव (उम्र 45 वर्ष, निवासी ग्राम घोट, थाना बिछिया, जिला मंडला) एवं लगभग 150 मजदूर ग्राम खर्राझर, औरई, बघरौड़ी, घोट, बरबसपुर और अन्य जगहों से आरोपी सुभाष मंडल (पिता सुनील मंडल, उम्र 42 वर्ष, सागरपारा, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल ने छल-कपट से उनकी और अन्य मजदूरों की कुल 94,50,000 रूपये की मजदूरी हड़प ली और जाली/कूटरचित चेक देकर धोखाधड़ी की। नवंबर 2024 में ठेकेदार सुभाष मंडल बैंगलोर से ग्राम खर्राझर अंजनिया आया था और उसने शासकीय रेलवे लाइन प्रोजेक्ट बैंगलोर व उसके आसपास काम करने के लिए 600 रूपये प्रतिदिन मजदूरी और अतिरिक्त बोनस का वादा किया था। लगभग 150 मजदूर (ग्राम खर्राझर, औरई, बघरौड़ी, घोट, बरबसपुर और अन्य जगहों से) दिनांक 19.11.2024 से 08.03.2025 तक बैंगलोर के आसपास रेलवे लाइन प्रोजेक्ट (कंगेरी, मैसूर) में काम किए। शिकायत की जांच उपनिरीक्षक प्रवीण शर्मा, चौकी प्रभारी अंजनिया द्वारा की गई। जांच में पाया गया कि सुभाष मंडल ने मजदूरों को बैंगलोर के आसपास रेलवे साइट पर काम करवाने के बाद ठेकेदारों से पैसे प्राप्त किए, लेकिन मजदूरों को उज्जवल फाइनेंस बैंक के किसी अन्य व्यक्ति के खाते के कूटरचित चेक दिए, जो बाद में बाउंस हो गए। इस संबंध में, पुलिस चौकी अंजनिया, थाना बम्हनी, जिला मंडला में आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 319/25, धारा 318(4), 338, 336(3), 340 भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपी की गिरफतारी हेतु प्रयास किये जा रहे थे। आरोपी लगातार अपनी जगह बदल रहा था तथा अलग अलग राज्यों में घुम रहा था। आरोपी की सुभाष मंडल की गिरफ्तारी के लिए 10,000 रूपये का ईनाम घोषित किया गया था। पुलिस टीम द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपी सुभाष मंडल को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि अलग-अलग जगहों से मजूदरों को अच्छे काम का लालच देकर कार्य के लिए ईकट्ठा करता है। और जो टेंडर/ प्रोजेक्ट निकलते है, उसमें ठेकेदार के रूप में स्वंय कार्य करते हुये मजदूरों को कार्य में लगाता है, तथा मजदूरों को केवल खाने- रहने के पैसे देता है। बाकी पैसे चेक से देने का कहकर किसी और का चेक देकर धोखा दिया गया हैं। आरोपी द्वारा अन्य जिलों/राज्यो से भी इस तरह के धोखा-धड़ी की गई हो तो उसकी जानकारी भी पुलिस द्वारा ली जा रही हैं। प्रकरण की विवेचना जारी हैं अगर विवेचना में और भी लोगों की संलिप्तता पाई जाती हैं तो उसे भी आरोपी बनाया जाएगा।

आरोपी के कब्जे से मजदूरों को दी गई फर्जी स्मॉल फाइनेंस बैंक की चेकबुक, खाताधारक निवासी उमरिया का आधार कार्ड और अन्य कई बैंकों की चेकबुक, पासबुक व एटीएम मिले हैं।

खबर संक्षेप

सोमवती शर्मा का निधन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। स्थानीय भामा वार्ड पानी टंकी के पास निवासी पंडित हेमंत व अधिवक्ता हरगोविंद शर्मा की माताश्री तथा आदित्य, दिवाकर, शिवांश शर्मा की दादी श्रीमति सोमवती शर्मा का बीते हुये दिवस 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया। स्व श्रीमति शर्मा की शव यात्रा में सभी वर्ग के लोगों ने शामिल होकर अपने श्रद्वा सुमन अर्पित किये।

सांझा चूल्हा कार्यक्रम ने गांवों में तोड़ा दम, अधिकारियों को जांच करने के लिए नही है समय

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जिस प्रकार से शासकीय स्कूलों में पढ़ाई करने वाले बच्चों सहित आंगनबाड़ी के छात्रों को पोषण युक्त अहार प्रदान करने हेतु साझा चूल्हा पोषण आहार कार्यक्रम की शुरूआत की गई थी। मगर अब वह क्षेत्र के गांवों में औपचारिकता बन कर रह गया हुआ जान पड़ रहा है? बताया जाता है कि क्षेत्र के कई गाँवों में इस योजना ने दम तोड दिया है। गांवों में जाकर देखा जावे तो वहां पर न तो मीनू के अनुसार भोजन दिया जा रहा है और न ही साफ सफाई का ध्यान रखा जा रहा है...? सरकार ने ग्रामीण स्कूलों के बच्चों और महिला एवं बाल विकास विभाग की आँगनवाड़ियों के बच्चों के लिए एक ही चूल्हे पर ताजा और पौष्टिक आहार देने की योजना को लागू तो किया गया है। किन्तु योजना का समुचित लाभ बच्चों को नही मिलते हुए नजर नही आ रहा है? बताया जाता है कि इस योजना के सफल कार्यान्वयन में ग्रामीणों की उदासीनता भी चिंता का विषय बन गई है। पंचायतों के सरपंच और सचिव भी अपने कर्तव्य निर्वहन के प्रति जागरूकता के साथ नजर नही आ रहे है..? वही स्कूली बच्चों के लिए दिए जाने वाले मध्यान्ह भोजन को लेकर भी ग्रामीणों को शिकायत है कि साझा चूल्हा योजना में गुणवत्ता और स्वच्छता को लेकर विशेष ध्यान दिए जाने के निर्देश है किन्तु अनेक जगहों पर समूहों को संचालन करने वाली महिलाओं के पतियों ने इसे व्यवसाय का माध्यम बना लिया है? जो मीनू का समुचित पालन ही नही हो रहा है। यही नही क्षेत्र के कई गाँवों में विभागीय सॉठ गॉठ के चलतें योजना कागजों में चलते हुए बताई जा रही है? और उनका भुगतान भी समूह ले रहे है? तथा इनकी गुणवत्ता पर भी ऊँगलियॉ उठ रही है? मगर तहसील स्तर से लेकर जिले में बैठे हुए अधिकारियों द्वारा इन्हें जांच करने की बात तो दूर उनके निरीक्षण करने के लिए भी समय नही मिलता जिसके चलते यह शासन की योजना भगवान भरोसे ही चलता हुआ जान पड़ रहा है?

सिहोरा रेल्वे स्टेशन पर अव्यवस्थाओं का बोलबाला, धूप में खडे रहकर ट्रेनों का इंतजार करने के लिए मजबूर, ठंडे पानी की भी नही व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज/ खुलरी। जहां एक ओर रेल विभाग द्वारा अपने यात्रियों को अच्छी सुविधाएं प्रदान करने की तो बात कही जाती है, मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि समीपस्थ सिहोरा बोहानी रेल्वे स्टेशन पर रेल यात्रियों के लिए अनेक मूलभूत सुविधाओं के साथ साथ सुरक्षा की व्यवस्थाएं नही होने से रेल यात्रियों को परेशान होने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है? बताया जाता है कि सिहोरा बोहानी रेल्वे स्टेशन से क्षेत्र के लगभग 25 से 30 गांवों के लोग यात्रा करने के लिए पहुंचते है। लेकिन यात्रियों की सुविधाओं के लिए यहॉ के दोनों प्लेट फार्मो पर वर्षो पुराना यात्री प्रतिक्षालय टीन शेड बना हुआ है जिसके नीचे मात्र चंद लोग ही खड़े हो सकते है बाकी लोगों को गर्मी के दिनों में तेज धूप व बारिश के मौसम में भीगते हुए ट्रेनों को इंतजार करते हुए आसानी से देखा जा सकता है? वही अन्य सुविधाओं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो यहां पर कहने के लिए तो पेशाब घर बने हुए है मगर उनमें गंदगी का आलम रहने से लोग उनकी ओर जाने का तक मन नही बना पाते है, इतना ही नही यदि अन्य व्यवस्थाओं की ओर ध्यान दिया जावे तो सुरक्षा की दृष्टि से तो यहां से यात्रा करने वाले रेल यात्रियों का भगवान ही मालिक होता है।

बैकों की उदासीनता के चलते नगर में स्थापित एटीएम बन रहे मबेशियों के तबेले, अपनी जान जोखिम में डालते हुये गंदगी के बीच पैसा निकालने के लिये मजबूर हो रहे उपभोक्ता, एटीएमों में नही है सुरक्षा के कोई उचित प्रबंध ...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

जहां एक ओर डिजीटल बनने की राह पर पहुंच रहे हमारे देश में सभी लेन देने बैकों में माध्यम से करते हुये सरकार का प्रयास है कि बैकों का लेनदेन की पेपर लेश होना चाहिये और बैकों के उपभोक्ताओं के लिये सीधा एटीएम व्यवस्था से जोड़ने के लिये आये दिन बैकों द्वारा प्रेरित करते हुये देखा जा रहा है। मगर जिस प्रकार से बैकों द्वारा नगर में स्थापित किये गये एटीएमों के प्रति जो उदासीनता बरती जा रही है उसके चलते नगर के एटीएम पूर्ण रूप से मबेशियों के तबेलों में परिवर्तित होते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहे है..? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो नगर में सबसे बड़ी बैक भारतीय स्टैट बैक को दो ब्रांचे संचालित होने के साथ साथ नगर में अनेक शासकीय बैकों के आलवा कुछ निजी बैके भी संचालित हो रही है, जिसके चलते इन बैकों द्वारा अपने ग्राहकों के लिये पैसा निकालने की व्यवस्था के नाम पर नगर में जहां तहां एटीएमों की स्थापना तो की गई है। मगर इन बैकों द्वारा उन एटीएमों के प्रति बरती जा रही उदासीनता परिणाम इस तरह देखने मिल रहा है कि जहां एटीएमों के अंदर मबेशी अपना डेरा जमाये रहते है। वही दूसरी ओर रात भर ए.सी. की हवा लेने के आदि बन चुके यह मवेशी वही पर गंदगी फैलाने से भी नही चूकते है। क्योंकि जब बारिश का दौर चलता है तो इन मवेशियों के लिये असुरक्षित बगैर किसी धनीधोरी के खुले पड़े रहने वाले यह एटीएम ही बारिश से बचावे का प्रमुख सहारा साबित होने से नही चूकते है। इस स्थिति के चलते जब कोई उपभोक्ता किसी एटीएम के अंदर अपनी राशि निकालने के लिये पहुंचता है तो उसे एटीएम के अंदर मबेशी बैठे हुये मिलने के कारण उसकी जान खतरे में पड़ने से नही चूकती है या फिर मवेशियों द्वारा एटीएम के अंदर फैलाई गई गंदगी के बीच अपनी राशि निकालने के लिये मजबूर होते हुये देखा आम बात बन चुकी है। इस प्रकार से देखा जावे तो जहां नगर के एटीएम पूर्णरूप से गंदगी से बजबाते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर आये दिन बैकों के अधिकारियों द्वारा जहां लोगों को स्वच्छता का संदेश देते हुये साफ सफाई करने की नसीयत देते हुये तो सुना जाता है। मगर उनके द्वारा ही स्थापित किये गये एटीएमों में गंदगी का अम्बार स्वच्छता पर सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है..? जबकि नियम के अनुसार बताया जाता है कि जब किसी बैक द्वारा जिस जगह अपने एटीएम की स्थापना की जाती है तो उस एटीएम पर एक सुरक्षा गार्ड तैनात किया जाता है जो 24 घंटे एटीएम की सुरक्षा करने के साथ साथ जब किसी उपभोक्ता को अपनी राशि निकालते वक्त कोई परेशानी आ जाती है तो उसकी मदद करता है। मगर नगर में लगे हुये एटीएमों में इस प्रकार की व्यवस्था शयद ही किसी एटीएम में देखने मिल पायेगी..? हाँ यह बात जरूर है कि सुरक्षा गार्ड की जगह रात के समय इन एनटीएमों में पशुओ का डेरा जरूर डला रहता है जिसके चलते एटीएम के अंदर किसी चोर के घुसने की बात तो दूर एटीएम उपभोक्ता भी अंदर प्रवेश करने की हिम्मत नही जुटा पाता है। इस प्रकार से बैकों द्वारा नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित किये गये अपने एटीएमों के प्रति सुरक्षा को लेकर बरती जा रही उदासीनता का परिणाम है कि जहां एक ओर एटीएम धारक उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करने के साथ साथ इन एटीएमों की सुरक्षा भी संदेह के घेरे में आने से नही चूक पा रही है..? इस प्रकार से असुरक्षित स्थिति में पहुंचे हुये इन एटीएमों में रात के समय जब किसी महिला को पैसा निकालने की जरूरत होती है तो वह एटीएम के पास पहुंचकर देखती है तो उसके अंदर मबेशी अपना डेरा जमाये हुये पाये जाने की स्थिति में वह एटीएम के अंदर प्रवेश करने की हिम्मत नही जुटा पाने के कारण खाली हाथ लौटने के लिये मजबूर होकर रह जाती है। जबकि बैकों द्वारा अपने एटीएम उपभोक्ताओं को यह भरोसा दिलाया जाता है कि उनके एटीएम अपनी उपभोक्ताओं की सेवा में 24 घंटे उपलब्ध है। मगर उन 24 घंटों में से अधिकांश समय तो मबेशियों का डेरा रहता है, जिसके चलते उपभोक्ता एटीएमों को उपयोग ही नही कर पाते है..?

मूंग विक्रय करने के लिये लाईन में खड़े अन्नदाताओं के लिये जरूरी व्यवस्थाय बनाने में जुटे बसेड़िया

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

इस समय जिस तरह क्षेत्र के अन्नदाता किसानों को अपनी गर्मी सीजन की मूंग फसल का समर्थन मूल्य पर विक्रय करने के लिये खरीदी केन्द्रो के सामने ट्रेक्टर ट्राली के साथ लाईनों में खड़े हुये देखा जा रहा है वह किसानों की मेहनत व सहन शीलता का प्रमाण उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ रहा है..? वही दूसरी ओर जिस तरह शासन द्वारा मूंग खरीदी केन्द्र नगर की जवाहर कृषि मंडी के पास बनाया गया है उसके चलते किसानों के ट्रेक्टरों की लाईन शहर की मुख्य सड़क यानि की छीपा तिरहा से लेकर शासकीय मार्ग से होते हुये पलोटन गंज तक लगी हुई देखी जा रही है। हाल यह बना हुआ है कि अपनी मूंग विक्रय करने के इंतजार में किसानों को एक एक हप्ता तक लाईन में खड़े रहने के लिय मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। इस स्थिति में रात दिन एक करते हुये खेतों में अनाज पैदा करते हुये सबका पेट भरने वाले किसानों के सड़को पर खड़ा रहने के चलते शहर के कुछ धनवानों द्वारा इतराज करते हुये उन्हें खरी खोटी सुनाने में भी कसर नही छोड़ी जा रही है..? मगर वही दूसरी ओर कुछ इस तरह के लोग भी दिखाई दे रहे है जो इन धरती पुत्र किसानों को बारिश के मौसम में सड़को पर हप्तो तक भूखे प्यासे खड़े हुये देखकर उन्हें भोजन नास्ता सहित अन्य जरूरी सुविधाये प्रदान करने में पीछे नही है..? यह सच्चाई सदा ही समाज सेवा में अग्रणी रहने वाले समाज सेवी मुकेश बसेड़िया में देखने मिल रही है। बताया जाता है कि मुकेश बसेड़िया द्वारा शोसल मीडिया पर माटी पुत्रों के लिये सूचना प्रसारित करते हुये संदेश दिया गया है कि मूंग विक्रय करने के लिये लाईन में खड़े हुये किसी भी किसान भाई को यदि खाने से लेकर बारिश के दोरान यदि ट्राली में उनका अनाज भींग रहा हो तो वह सूचना में दिये गये नम्बर पर फोन करते हुये अवगत कराये मौके पर पहुंचकर भोजन सहित अनाज को सुरक्षित करने की व्यवस्था बनाई जावेगी..? इस सच्चाई को देखते हुये लोग बसेड़िया द्वारा की जा रही समाज सेवा की सराहना करने से नही चूक रहे हे..। लोगों का कहना है कि सही समाज सेवा का महत्व उसी को कहा जाता है जब परेशानी से जूझ रहे व्यक्ति को मदद पहुंचाई जावे। यह मदद इस समय परेशानियों से जूझ कर अन्नदाता किसानों को पहुंचाते हुये देखा जा रहा है। वैसे भी देखा जावे तो बसेड़िया द्वारा समाज द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में जहां गर्मी के सीजन में आमजन से लेकर पशुओं के लिये ठंडा पानी की व्यवस्था हो या फिर ठंड के दिनों में सड़को पर घुमने वाले असहाय लोगों को गर्म कपड़ा उपलब्ध कराने की व्यवस्था से लेकर जंगल क्षेत्र में पहुंच से दूर गांवों के लोगों को जरूरी सामग्री उपलब्ध कराना मानों उनका स्वभाव ही बन चुका है।

पौधा रोपण की सच्चाई एक ओर पाठ तो दूसरी ओर देखने मिल रहा है सपाट.., क्या इस स्थिति में सफल हो पायेगा हरियाली महोत्सव...?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

लगातार बिगड़ रही पर्यावरण की स्थिति के चलते निश्चित तौर से आने वाला समय चिंता जनक होने से नही चूक पायेगा..। इसी बात को ध्यान में रखते हुये जहां समाज सेवी संस्थाओं से लेकर शासन प्रशासन द्वारा अनेक प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से पौधा रोपण के लिये लोगों को प्रेरित करते हुये देखा जाता है। वही दूसरी ओर इस समय प्रशासन द्वारा पौधा रोपण के लिये विशेष मुहिम चलाते हुये माँ के नाम एक पेड़ लगाने के लिये जो मुहिम चलाई जा रही है। जिसके चलते प्रतिदिन जगह जगह पौधा रोपण होते हुये देखा जा रहा है। वही अधिकारियों द्वारा लोगों को पौधा रोपण करने के साथ साथ शासकीय संस्थाओं को विशेष पौधा रोपण मुहिम चलाने के आदेश भी दिये गये है। इस तरह अधिकारियों के आदेश अनुसार गांव गांव पौधा रोपण होते हुये तो देखा जा रहा है जिसकी फोटो अखबारों में लगातार प्रकाशित होने के बाद जब लोगों द्वारा खुलेआम फलदार पेड़ो पर कुल्हाडी चलते हुये देखकर हैरत में पड़ने से नही चूक रहे है..? इस सच्चाई को देखकर लोग यह सबाल उठाने में कसर नही छोड़ रहे है कि एक ओर तो जहां प्रशासन की टीम द्वारा लोगों को पेड़ लगाने के लिये प्रेरित कर रहा है। मगर वही दूसरी ओर जिस तरह लकड़ी माफियों द्वारा खुलेआम फलदार पेड़ो पर कुल्हाडी चलाते हुये देखे जाने के बाद भी रोकने में आखिर क्यों नाकाम हो रहा है..। इस सच्चाई को देखकर निश्चित तौर से प्रशासन द्वारा चलाई जा रही पौधा रोपण की मुहिम पर जहां प्रश्न चिन्ह लगने से नही चूक रहा है। क्षेत्र में चल रहे लकड़ी माफियों के बोल बाला की सच्चाई नगर में शाम होते हुये शांति दूत से लेकर शक्कर पुल नदी के पास आसानी से देखने मिल सकती है जहां पर खुलेआम ट्रेक्टर ट्रालियों में लड़की लद कर परिवहन होते हुये देखा जा रहा है। जब खुलेआम इस तरह ताजे कटे हुये पेड़ की लकड़ियों का जिस प्रकार परिवहन होते हुये देखा जा रहा है तो फिर इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि क्षेत्र में लकड़ी माफिया सक्रिय रहते हुये पेड़ो को कत्लआम करने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। इस सच्चाई को देखते हुये हैरत इस बात को लेकर हो रही है कि वन विभाग के अधिकारी पूर्णरूप से कुम्भकर्णी निंद्रा में रहते हुये लकड़ी का अवैध कारोबार करने वालों को अघोषित रूप से अपना संरक्षण प्रदान किये हुये है। क्षेत्र में सक्रिय लकड़ी माफियों द्वारा वन अधिकारियों को अपनी पहुंच वाली फोटो दिखाते हुये इस तरह अपना गुलाम बना लिया गया है कि वह लकडी माफियों की पहुंच के चलते दहशत में रहते हुये क्षेत्र में चल रहे लकड़ी के अवैध कारोबार को अनदेखा करने के लिये मजबूर प्रीतत होने से नही चूक पा रहे है..? इस सच्चाई को देखते हुये लोग यह बात कहने से नही चूक रहे है कि जब खुलेआम बने बनाये पेड़ो पर कुल्हाडी चलने से नही रूक पा रही है तो फिर इस तरह पौधा रोपण करने की औपचारिकता को क्या मतलब..?

प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में नाम आने का इंतजार करते-करते गिरने लगे गरीबों के कच्चे मकान

हरिभूमि न्यूज/चीचली।

इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जिस सोच के साथ देश के प्रधानमंत्री द्वारा गरीबों को पक्के मकान देने के लिये प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरूआत की गई है उसके चलते उन गरीबों को पक्के आवास मिलते हुये देखे जा रहे है जो कभी पक्के मकानों में रहने का सपना भी नही देख सकते थें? मगर इस योजना का सही रूप से क्रियान्वयन नही होने की स्थिति में प्रधानमंत्री आवास योजना अपने लक्ष्य से भटकते हुये दिखाई देने लगी है। इस कारण से जहां साधन संपन्न लोगों के आवास तो बनते हुये देखे जा रहे है। मगर इस योजना के जो वास्तविक गरीब हितग्राही है वह आज भी इस योजना में शामिल होने के लिये इंतजार करते हुये अपने कच्चे आवासों में मौत और जिन्दगी के बीच जीवन काटने के लिये मजबूर होते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहे है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले अनेक ग्राम पंचायतों में देखने मिल रही है जहां पर इस प्रकार के दर्जनों गरीब है जिनके कच्चे मकान होने के बाद भी अभी तक उनका प्रधान मंत्री आवास योजना की सूची में नाम नही आने की स्थिति में इस समय चल रहे बारिश के दौर में उनके कच्चे मकान गिरने के कारण मासूम बच्चों की जिन्दगी खतरे में दिखाई देने से नही चूक रही है। इस संबंध में खस्ता हाल कच्चे मकानों में जीवन यापन करने वाले गरीबों द्वारा जानकारी देते हुये बताया है कि वह पूर्णरूप से गरीब होने के साथ साथ उसकी स्थिति इस प्रकार से नही है कि वह अपना कच्चा मकान पक्का कर सके, जिसके चलते प्रधानमंत्री की आवास योजना सूची में नाम आने का इंतजार करते हुये लम्बा समय बीत जाने के बाद भी नाम नही आने के कारण कच्चे मकान का हाल इस स्थिति में पहुंच चुका है कि उसकी दीवारे चारों ओर से गिरने की शुरूआत होने के कारण यह डर सताने लगा है कि कही ऐसा न हो कि रात के समय पूरा का पूरा मकान धराशाही होने के कारण उसकी व उसके मासूम बच्चों की जिन्दगी खतरे में पड़ जावे, इस प्रकार से अन्य लोगों के आवासों की स्थिति भी कुछ इसी प्रकार से बनी हुई है जिनके कच्चे मकानों की गिरती हुई दिवारे निश्चित ही इस प्रधान मंत्री आवास योजना को अपने लक्ष्य से भटकने का उदाहरण देने से नही चूक पा रही है?

बिजली की ऑख मिचौली से शहर से लेकर ग्रामीणजन हो रहे परेशान, अधिकारी नही दे रहे है ध्यान

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। इस समय देखा जा रहा है कि जहां बिजली विभाग द्वारा शहर से लेकर ग्रामवासियों को मन माफिख बिल देते हुए महगांई के दौर में उनकी घरों के बजट को विगाड़ते हुये उत्सह को तो फीका कर दिया गया है। मगर वही दूसरी ओर जिस प्रकार से बिजली कटौती की जा रही है उसके चलते लोगों को मुश्किल में डाल दिया गया है। बताया जाता है कि इस समय शहर से लेकर गॉवो में जिस प्रकार से बिजली की ऑख मिचौली चल रही है, उसके चलते लोग परेशान हो रहे है तो वही दूसरी ओर बच्चें अपनी पढ़ाई नही कर पा रहे है। इस संबंध में बिजली विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया जाता है तो उनके द्वारा कह दिया जाता है कि अचानक बिजली लाईन में खराबी आ जाने के कारण बंद हुई है सुधार कार्य चल रहा है। जबकि गौर किया जावे तो बारिश शुरू होने के पूर्व बिजली विभाग द्वारा सुधार के नाम पर संपूर्ण नगर की बिजली बंद रखी गाई थी, और कहा गया था कि अब बारिश के दौरान लोगों को बिजली की परेशानी का सामना नही करना पड़ेगा, मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि प्रतिदिन दिन रात में अनेकों को बार बिजली अचानक बंद हो रही है, जिससे बिजली विभाग द्वारा पूर्व के समय में किये गये सुधार कार्य को लेकर जहां अनेक सबाल खड़े हो रहे है। वही दूसरी ओर यह सबाल भी उठ रहा है कि आखिर में किस प्रकार से सुधार हुआ था जिसके चलते अब बारिश के समय में लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जो जरा सा पानी गिरते ही बिजली बंद हो रही है। अब सबाल यही पैदा हो रहा है कि क्या बिजली सुधार कार्य के नाम पर सिर्फ औपचारिकता ही निभाई गई थी या फिर शासन के पैसा की होली खेली गई थी? इस प्रकार से बिजली की आंख मिचोली के चलते सर्वधिक परेशानी नगर के उन रिहाईशी इलाकों के निवासियों को हो रही है, जहां पानी की सप्लाई नलकूपों के माध्यम सें की जाती है। इन इलाको में बार बार बिजली बंद होने से पानी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इस प्रकार से लगातार हो रही बिजली की अघोषित कटौती को लेकर नागरिको का कहना है कि शाम ढलने के साथ ही बिजली की ऑख मिचौली शुरू हो जाती है जो लगभग सारी रात व दिन में भी जारी रहती है?

स्कूल के समय भारी वाहनों पर नो एन्ट्री लगाये जाने की मांग

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा।

जहां एक ओर सांईखेड़ा क्षेत्र में लगातार विकास की बात तो आये दिन होते हुए सुनी जा रही है। मगर नगर की प्रमुख समस्या को लेकर आज तक निजात दिलाने की ओर किसी भी प्रकार की पहल नही होना जहां क्षेत्र में लगातार हो रहे विकास के कार्यो पर प्रश्न चिन्ह लगते हुए देखा जा रहा है? वही दूसरी ओर आम लोगों की जिन्दगी भी इस समस्या के चलते खतरे से खाली दिखाई नही दे रही है, क्योंकि इस समस्या के बीच गरीब लोगों को मौत के मुख्य में बैठकर अपनी रोजी रोटी कमाने के लिए मजबूर देखा जा रहा है? बताया जाता है कि नगर के बीचों बीच से निकला हुआ प्रदेश की राजधानी से जुड़ने वाले स्टैट स्तर के मार्ग पर जिस प्रकार से दिन भर भारी वाहनों की धमाचौकड़ी लगी रहती है। वही दूसरी ओर इस मार्ग के किनारे ही लगने वाले साप्ताहित बाजार में दुकानदारी करने वालों के लिए भी खतरे की घंटी बजाते हुए यह वाहन तेज गति से दौड़ रहे है? इतना ही नही इसी मार्ग से जहां नगर के स्कूली बच्चों का आना जाना रहता है, वही दूसरी ओर अन्य शासकीय कार्यालयों में पहुचने वाले लोगों का भी दिन पर इस मार्ग पर आनाजाना होने क कारण जब इस मार्ग से भारी भरकम वाहनों का निकलना होता है तो आये दिन जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है, वही दूसरी ओर बाजार के दिन तो यह हाल होता है कि लोगों का निकलना ही मुश्किल हो जाता है। इस सच्चाई को देखते हुए बीते लम्बे समय से लोगों द्वारा सांईखेड़ा में वायपास मार्ग की मांग की जा रही है, मगर इस ओर किसी भी जिम्मेदार द्वारा ध्यान नही दिये जाने के कारण जहां आम लोगों के लिए खतरा पैदा हो रहा है, वही दूसरी ओर किसी दिन कोई बड़ी घटना की संभावना से भी इंकार नही किया जा सकता है? इस प्रकार से नगर के मुख्य मार्ग से निकलने वाले भारी भरकम वाहनों की आवाजाही को लेकर नगर के लोगों द्वारा सुबह 9 बजे से 11 बजे तक तथा शाम 3 बजे से 5 बजे तक तथा बाजार के दिन दोपहर 3 बजे से शाम 8 बजे तक नो एन्ट्री लगाये जाने की मांग की जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन द्वारा इस प्रकार की व्यवस्थाओं के चलते उदासीनता बरती गई तो निश्चित ही किसी दिन सांईखेड़ा बाजार में कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना को नजर अंदाज करना मुश्किल साबित हो सकता है?

ग्रामीण क्षेत्रों में मकड़ी के जाल की तरह उलझी केबिलों में आये दिन लग रही आग

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया

जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा आये दिन क्षेत्र के किसानों से बिजली बिलों की बसूली करने के नाम पर जहां उनका समान सहित अन्य सामग्री कुर्क करते हुए उन्हें अपमानित करने से नही चूकते है, वही दूसरी ओर किसानों को अच्छी बिजली व्यवस्था उपलब्ध कराने के नाम पर देखा जावे तो बिजली विभाग की उदासीनता के चलते क्षेत्र के किसानों को प्रतिवर्ष लाखों रूपया की क्षति का सामना करने के साथ साथ अपनी जान तक गंवाने के लिए मजबूर होना पड़ता है? यदि इस बात की सच्चाई पर गौर किया जावे तो ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के खेतों से लेकर मुख्य मार्गो पर झूला के समान लटकते हुए बिजली तारों को देखा जावे तो वह खुलेआम खतरे की घंटी बजाते हुए आसानी से देखे जा सकते है..? क्योंकि बिजली विभाग द्वारा वर्षो पुरानी बिजली लाईनों में किसी भी प्रकार का बदलाव नही किये जाने के कारण जहां उन लाईनों में तार टूटने के साथ साथ अन्य खराबियां होने के कारण किसानों को सप्लाई होने बाली बिजली में बाधित होना पड़ता है। वही आये दिन झूलते हुए बिजली तारों से निकलने वाली चिंगारियों के चलते क्षेत्र के किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसले राख होते हुए देखी जाती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय ग्रामों के अंदर देखी जा रही है। जहां पर कुछ वर्ष पहले बिजली विभाग द्वारा तारों को निकलते हुये केबिल डाली गई है। मगर उसके रख रखाब में बरती जा रही उदासीनता का परिणाम इस प्रकार से देखा जा रहा है कि बारिश का मौसम शुरू होते ही बिजली खम्बो पर लगी हुई केबिल लाईनों में आये दिन फाल्ट बनने के कारण आग लगने से नही चूक रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस उस समय देखने मिली जब अचाकन दो खम्बों में लगी हुई केबिल में अचानक आग लग जाने के कारण पूरे क्षेत्र की की बिजली लाईन बंद होने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा गया, वह तो अच्छा हुआ कि ग्राम के अंदर कोई बड़ी घटना घटित नही हुई यदि बिजली केबिल में लगी हुई आग आसपास के घरों को अपनी चपेट में ले लेती तो निश्चित ही ग्राम के अंदर बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता था।

कलेक्टर नेहा मारव्या ने किया आबकारी विभाग का औचक निरिक्षण

डिंडौरी ।कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने औचक निरिक्षण के दौरान आबकारी विभाग में उपस्थित स्टॉफ और आबकारी विभाग में संचालित योजनाओं पर विस्तृत चर्चा कि। कलेक्टर ने शासकीय फाइलों का रख-रखाव, साफ-सफाई का जायजा लेते हुए केशबुक, विभागीय केशबुक, स्टॉक पंजी, आबकारी एक्ट से संबंधित अपराध पंजी, सीएम हेल्पलाईन, जनसुनवाई, आवक-जावक पंजी, अवकाश पंजी, समय सीमा बैठक, गार्ड फाईल, प्राप्त आबंटन, वितरण, क्रय-विक्रय पंजी एवं समस्त पंजीयों का अवलोकन किया। केशबुक और गार्ड फाइल 01 , स्टॉक पंजी में नियमित रूप से दर्ज न करने पर एवं दस्तावेज अधिकारीयों के द्वारा सत्यापित न करने और शासकीय कार्यो मे लापरवाही बरतने पर जिला आबकारी

अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही साथ कलेक्टर ने डिप्टी कलेक्टर को प्रतिवेदन तैयार कर लापरवाह कर्मचारी एवं अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पायें गये कर्मचारीयों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए और कलेक्टर

ने आबकारी अधिकारी को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि शराब एवं अवैध मादक पदार्थों के अवैध बिक्री केंद्रो एवं आवागमन के मुख्य मार्गों पर चेकपोस्ट लगाने के निर्देश दिए ताकि अवैध मादक पदार्थों पर अंकुश लगाया जा सके।

खबर संक्षेप

तीन साल से फरार भालू के अंग रखने वाले दो आरोपी वन विभाग की गिरफ्त में

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। वन परिक्षेत्र राजेन्द्रग्राम में अनुसूचित वन के वन्यप्राणी भालू के अंग रखने वाले दो आरोपी जो 3 वर्षों से फरार रहे हैं, वनविभाग की टीम द्वारा गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत करने के पर न्यायालय के आदेश पर जिला जेल भेजा है। प्रकरण के संबंध में बताया गया कि वन परिक्षेत्र राजेन्द्रग्राम के छींदपानी बीट अंतर्गत थमरदर गांव में विगत 3 वर्ष पूर्व नागेंद्र सिंह के घर में खड़ी नागेन्द्र की बोलेरो के पीछे एक थैला में रखा अनुसूची वन श्रेणी के वन्यप्राणी भालू का सिर एवं चार नग पंजे मुखबिर की सूचना पर वनविभाग की टीम द्वारा जप्त की गई थी, इस दौरान डॉग एस्कॉर्ट से परीक्षण पर डांग के बुद्धेलाल पिता अमोली सिंह निवासी थमरदर के घर तक गया जिस पर पूछताछ के पहले ही बुद्धेलाल 3 वर्षों तक फरार रहा था, घटना के बाद आरोपियों के विरुद्ध वन्यप्राणी संरक्षक अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही थी, मुख्य आरोपी के घर वापस आने की सूचना मिलने पर बरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर वन परिक्षेत्र अधिकारी राजेंद्रग्राम शिवम कोष्ठी के नेतृत्व में टीम गठित कर परिक्षेत्र सहायक राजेंद्रगाम कुंवर सिंह सोर्ठे वनरक्षक बीटगार्ड छींदपानी भीषमदास, बीट गार्ड बम्हनी भूपेंद्र मांझी एवं बीट गार्ड पटना नागेन्द्र सोनी के द्वारा आरोपी बुद्धेलाल सिंह पिता अमोली सिंह एवं नागेंद्र सिंह पिता संभल सिंह दोनों निवासी थमरदर थाना राजेन्दगाम को गिरफ्तार कर राजेन्दगाम न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने पर न्यायालय के आदेश पर जेल भेजा गया। इस दौरान मुख्य आरोपी बुद्धेलाल सिंह ने बताया कि वह 3 वर्ष पूर्व छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही इलाके में देशी दवाई कराने गया रहा, उसे जंगल में एक भालू मृत स्थिति में मिलने पर टगिंया से चारों हाथ पैर के पंजे एवं सिर को काट कर थैला में रखकर ले आया था, आपसी रंजिश के कारण उसने थैला को गांव के ही नागेंद्र सिंह की बोलेरो के पीछे कमानी के पास बांधकर खुद ही वन विभाग को शिकायत की थी।

डाकघर से 30 रुपये में खरीद सकते हैं गंगाजल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। सावन माह में शिव भक्तों के लिए डाक विभाग ने एक विशेष धार्मिक सेवा शुरू की है। अब भक्तगण सिर्फ 30 रुपये में 250 ग्राम शुद्ध गंगाजल अपने नजदीकी डाकघर से प्राप्त कर सकते हैं, जिससे वे घर बैठे ही भगवान शंकर का अभिषेक कर सकें। उक्ताशय की जानकारी देते हुए मुख्य डाकघर अनूपपुर के पोस्ट मास्टर श्री के. के. पटेल ने बताया है कि यह सेवा जिले के सभी डाकघरों में उपलब्ध है। इसका उद्देश्य उन श्रद्धालुओं की मदद करना है जो किसी कारणवश हरिद्वार या गंगोत्री जाकर गंगाजल नहीं ला पाते। उन्होंने बताया है कि गंगाजल की आपूर्ति डाक विभाग द्वारा आधिकारिक रूप से सुनिश्चित की गई है और इसकी शुद्धता तथा पवित्रता का विशेष ध्यान रखा गया है। सावन माह में यह सेवा शिव भक्तों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है। पोस्ट मास्टर ने बताया है कि डाक विभाग समय-समय पर धार्मिक और सामाजिक दृष्टिकोण से लोक-कल्याणकारी योजनाएं चलाता है और गंगाजल वितरण उसी श्रृंखला का हिस्सा है। श्रद्धालुओं ने भी इस पहल का उत्साहपूर्वक स्वागत किया है और इसे घर बैठे गंगाजल प्राप्त करने का उत्तम अवसर बताया है। गंगाजल की बोतलें जिले के हर डाकघर में उपलब्ध हैं, ऐसे में लोग समय रहते अपने निकटतम डाकघर से इसे प्राप्त कर सकते हैं।

यातायात प्रभारी बनीं रक्षित निरीक्षक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले मे यातायात प्रभारी के तौर पर पदस्थ सुश्री ज्योति दुबे रक्षित निरीक्षक अनूपपुर बनाई गई हैं। उक्त आदेश पुलिस स्थापना बोर्ड से अनुमोदन उपरांत पुलिस मुख्यालय भोपाल से पुलिस महानिदेशक ने जारी किया है।

सर्व शिक्षा अभियान की समीक्षा बैठक सम्पन्न, बारिश व बाढ़ के मद्देनजर बच्चों की सुरक्षा को लेकर दिए गए निर्देश

डिंडौरी। जिला कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या की अध्यक्षता में शुक्रवार को सर्व शिक्षा अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बाढ़ और बरसात के कारण विद्यालयों में आ रही समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।
कलेक्टर ने बीआरसी, बीएसी, सीएसी एवं अन्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए बच्चों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में बच्चों को नदी-नालों को पार करने की अनुमति न दी जाए। जरूरत पड़ने पर प्रभावित क्षेत्रों के विद्यालयों को अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय भी लिया जा सकता है।
बैठक में कलेक्टर ने जर्जर विद्यालय भवनों की तत्काल पहचान कर सूची तैयार करने तथा मरम्मत योग्य भवनों की मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला परियोजना समन्वयक (DPC) को सूची भोपाल भेजकर आवश्यक बजट की मांग करने के लिए कहा।
शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर जोर देते हुए कलेक्टर ने सभी ब्लॉक समन्वयकों, बीएसी, सीएसी, बीईओ और डीपीसी को नियमित रूप से विद्यालयों का निरीक्षण कर शिक्षा के स्तर में सुधार लाने के निर्देश दिए। साथ ही जिन स्कूलों में शिक्षकों की कमी है, वहां शीघ्र शिक्षक पदस्थ करने के निर्देश भी दिए गए।शिक्षकों की स्थिति को लेकर शिक्षा पोर्टल पर समय पर प्रविष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि इससे ईएचआरएमएस पोर्टल पर रिक्त पदों की सही जानकारी उपलब्ध होगी और अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति समयबद्ध ढंग से की जा सकेगी।इसके साथ ही कलेक्टर ने हाल ही में हुए शिक्षक स्थानांतरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रत्येक स्कूल में कितने शिक्षक कार्यरत हैं, किसने स्थानांतरण के बाद कार्यभार ग्रहण किया है और किसने नहीं—इसकी पूरी जानकारी दो दिन के भीतर प्रस्तुत की जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही पर संबंधित बीआरसी, बीएसी, सीएसी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस समीक्षा बैठक में डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेन्द्र कुमार, जिला समन्वयक शिक्षा अधिकारी श राघवेन्द्र मिश्रा, जनसंपर्क अधिकारी चेतराम अहिरवार सहित सभी बीआरसी, बीएसी, सीएसी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय वन अधिकार समिति की बैठक में लंबित दावों की समीक्षा, एक सप्ताह में कार्यवाही के निर्देश

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या की अध्यक्षता में जिला स्तरीय वन अधिकार समिति की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत लंबित व्यक्तिगत व सामूहिक दावों, नवीन आवेदन, संशोधित प्रकरणों तथा ग्राम स्तरीय समिति, पटवारी, बीट गार्ड और सचिव द्वारा तैयार किए जा रहे मामलों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने विकासखंडवार दावों की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों के आवेदनों पर समयसीमा में कार्यवाही सुनिश्चित की जाए और सभी प्रकरण एमपी वन मित्र पोर्टल पर दर्ज किए जाएं, जिससे किसानों को समय पर वन अधिकार पत्र प्रदान किए जा सकें। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर लंबित 446 प्रकरणों की विशेष रूप से चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में यह भी तय किया गया कि उपखंड एवं जिला स्तरीय समितियों के पास लंबित दावों का शीघ्र निराकरण किया जाए, ताकि हितग्राहियों को लाभ मिल सके।
इस अवसर पर वन मंडल अधिकारी श्री पुनीत सोनकर, एसडीएम शहपुरा श्री ऐश्वर्य वर्मा, एसडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम बजाग श्री रामबाबू देवांगन, सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग श्री राजेन्द्र कुमार जाटव, क्षैत्रीय संयोजक श्रीमती श्वेता अग्रवाल, जनप्रतिनिधि श्री पीतम सिंह मरावी व श्रीमती हेमवती राजपूत सहित सभी जनपद सीईओ, सचिव, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वन अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त सभी दावों की पारदर्शी और समयबद्ध जांच की जाए, जिससे पात्र हितग्राहियों को शीघ्र लाभ मिल सके।

नशा मुक्त समाज की ओर डिंडौरी पुलिस का जन-जागरूकता अभियान, युवाओं में दिखा सकारात्मक असर

डिंडौरी।डिंडौरी जिले में पुलिस विभाग द्वारा नशा मुक्ति को लेकर चलाया गया जन-जागरूकता अभियान लगातार प्रभावी साबित हो रहा है। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चलाए गए इस अभियान का उद्देश्य युवाओं, छात्रों, ग्रामीणों और आम नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना और नशा मुक्त समाज की दिशा में जन-सहभागिता को प्रोत्साहित करना रहा।
अभियान की प्रमुख गतिविधियाँः
थाना शाहपुरा के अंतर्गत बस स्टैंड पर पुलिस द्वारा बस और टैक्सी चालकों व यात्रियों को पंपलेट वितरित कर नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। छात्रों को भी इस अवसर पर जागरूक किया गया।
थाना समनापुरके शासकीय मॉडल उच्च माध्यमिक विद्यालय कोकोमटा में "नशा से दूरी है जरूरी" विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और पुलिस बल की सक्रिय भागीदारी रही।
चौकी विक्रमपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चोबीसा में नशा मुक्ति शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां विद्यार्थियों और शिक्षकों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई।
चौकी अमरपुर के ग्राम अलोनी स्थित माध्यमिक विद्यालय में छात्रों को नशा छोड़ने और इसके दुष्परिणामों की जानकारी दी गई।
थाना मेहंदवानी में ग्राम रक्षा समिति के सदस्यों की उपस्थिति में थाना परिसर में संवाद कार्यक्रम हुआ,

जिसमें नशे से दूरी और इसके सामाजिक प्रभावों पर चर्चा की गई।
थाना गाड़ासरई में पेट्रोल पंप के पास राहगीरों को नशा मुक्ति का संदेश देने हेतु जनजागरूकता अभियान चलाया गया।
थाना बजाग क्षेत्र में स्कूली छात्रों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया।

नारी शक्ति को पौधारोपण हेतु पौधों का वितरण

नवांकुर सखी हरियाली कलश यात्रा का ग्राम केवलारी में आयोजन

डिंडौरी।प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वाधान में नवांकुर योजना अंतर्गत नवांकुर सखी कार्यक्रम के अवसर पर सेक्टर बोंदर अंतर्गत आदर्श ग्राम केवलारी में मध्यप्रदेश शासन के माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मंशानुसार एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला समन्वयक श्री धर्मेन्द्र चौहान एवं म प्र जन अभियान परिषद विकासखंड समन्वयक श्रीमती अंजू दुबे जी एवं नवांकुर संस्था उपकार ग्राम विकास समिति केवलारी नवांकुर सखी हरियाली कलश यात्रा का आयोजन किया। जिसमें सर्वप्रथम दीप प्रज्ज्वलित, देवपूजन कर जनप्रतिनिधियों के द्वारा संपन्न हुआ तथा अतिथियों का स्वागत किया गया एवं उपस्थित अतिथियों एवं ग्रामवासियों को मुख्यमंत्री जी के संदेश का आडियो, वीडियो दिखाया गया तत्पश्चात ब्लाक समन्वयक अंजू दुबे ने नवांकुर सखी हरियाली कलश यात्रा कार्यक्रम कि विस्तृत जानकारी दी साथ ही जिला समन्वयक श्री धर्मेन्द्र चौहान जी ने भी नवांकुर सखी हरियाली यात्रा पर महिलाओं को संबोधित किया। इसी क्रम में हरियाली यात्रा पौध कलश

यात्रा का प्रारंभ ग्राम पंचायत भवन से होकर ग्राम से होते हुए पुनः ग्राम पंचायत भवन में समापन किया गया। रैली समापन के बाद नवांकुर सखियों को 11-11 पौधे दिए गए साथ ही कार्यक्रम सहभागी उपस्थित सभी साथियों को को 11-11 फलदार पौधे देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम समापन कि घोषणा एवं धन्यवाद आभार व्यक्त किया गया।इस अवसर पर पूर्व सरपंच श्रीमती विनीता पेन्द्रो, पंच -सुशीला मरावी, झूलवती मरावी , आंगन बाड़ी कार्यकर्ता ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य, सखियां एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

सावन महीने में पवित्र नगरी अमरकंटक की व्यवस्था पर लगा ग्रहण

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित माँ नर्मदा के उत्तर तट पर स्थित रामघाट इन दिनों अव्यवस्थाओं और प्रशासनिक उदासीनता का दंश झेल रहा है। घाट तक पहुँचने के मार्ग पर कीचड़ और मलबे का अम्बार श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी परेशानी बन गया है। श्रद्धालु, पर्यटक और तीर्थयात्री जो यहां पवित्र नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाने, संध्या आरती में भाग लेने या रामसेतु झूला पुल तक जाने आते हैं, उन्हें कीचड़ से सने रास्तों और सीढ़ियों के पास भरे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। कई श्रद्धालु स्नान से पूर्व या पश्चात फिसलकर गिर भी चुके हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा पर भी खतरा उत्पन्न हो गया है। रामघाट मार्ग के मोड़ पर बने पुल पर मलबा और गंदगी जमा हो जाने से वर्षा का पानी निकासी नहीं हो पा रहा, जिससे आसपास के क्षेत्र विशेषकर रामघाट पार्किंग स्थल में घुटनों तक जलभराव हो गया है। यह स्थिति न केवल वाहन चालकों के लिए मुसीबत बनी है, बल्कि पार्किंग करने आए दोपहिया और चारपहिया वाहनों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रामघाट के सामने स्थित साप्ताहिक हाट मैदान के समीप का मार्ग कीचड़ और जलजमाव से पट गया है। यही मार्ग पास में स्थित सुलभ शौचालय की ओर जाता है, जिससे महिलाओं, वृद्धों और बच्चों सहित सभी यात्रियों को आने-जाने में असुविधा हो रही है। स्थानीय प्रशासन द्वारा कीचड़ निवारण के नाम पर डाली गई मिट्टी और मुरुम ने स्थिति को और अधिक विकट बना दिया है। अब यह क्षेत्र और अधिक कीचड़युक्त हो चुका है। श्रद्धालुओं की मांग है कि नगर परिषद तत्काल सफाई, जल निकासी और कीचड़ हटाने की उचित व्यवस्था करे, जिससे यह पावन तीर्थस्थल फिर से श्रद्धा, स्वच्छता और व्यवस्था का प्रतीक बन सके।

नवांकुर सखी हरियाली कलश यात्रा का ग्राम छपरी रैयत में हुआ भव्य आयोजन

अमरपुर। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वाधान में नवांकुर योजना अंतर्गत नवांकुर सखी कार्यक्रम के अवसर पर ग्राम छपरी रैयत में मध्यप्रदेश शासन के मुख्यमंत्री मोहन यादव के मंशानुसार एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद म. प्र. जन अभियान परिषद विकासखंड समन्वयक अमरलाल धुर्वे एवं नवांकुर संस्था रेवांचल शिक्षा समिति अमरपुर नवांकुर सखी हरियाली कलश यात्रा का आयोजन किया। जिसमें सर्वप्रथम दीप प्रज्ज्वलित, देवपूजन कर जनप्रतिनिधियों के द्वारा संपन्न हुआ तथा अतिथियों का स्वागत किया गया एवं उपस्थित अतिथियों व ग्रामवासियों को मुख्यमंत्री के संदेश का आडियो, वीडियो दिखाया गया। तत्पश्चात ब्लाक समन्वयक अमरलाल धुर्वे ने नवांकुर सखी हरियाली कलश यात्रा कार्यक्रम कि विस्तृत जानकारी दी गई तथा नवांकुर संस्था से गणेश केवट ने भी नवांकुर सखी हरियाली यात्रा पर महिलाओं को संबोधित किया। इसी क्रम में हरियाली यात्रा पौध कलश यात्रा का प्रारंभ प्राथमिक शाला भवन छपरी रैयत से होकर ग्राम के मुख्य मार्ग से होते हुए पुनः प्राथमिक शाला भवन में समापन किया गया। रैली समापन के बाद नवांकुर सखियों को पौधे पन्निया एवं बीज देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में मंच में उपस्थित कार्यक्रम के अध्यक्ष की अनुमति से कार्यक्रम समापन कि घोषणा एवं धन्यवाद आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के पंच, उपसरपंच, गनधू बाबा, मुकद्दम, नवांकुर संस्था से धोबी सिंह परस्ते, राकेश मरावी, अरविंद यादव, श्याम सिंह धुर्वे, गणेश केवट तथा मेंटर्स लाल सिंह ठाकुर, अशोक यादव, राधेश्याम वनवासी, तिलक सिंह सैयाम, मनोज कुमार तंतुवाय, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, प्राथमिक शाला शिक्षक लामू नंदा तथा छात्र गोरी बाई, महेश, जानकी एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य, नवांकुर सखियां एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, शनिवार 26 जुलाई 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

जिले में अब तक 667.8 मिमी वर्षा दर्ज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार नरसिंहपुर जिले में एक जून से 25 जुलाई तक की अवधि में औसत रूप से कुल 667.8 मिमी अर्थात 26.29 इंच वर्षा दर्ज की गई है। 25 जुलाई की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 27 मिमी अर्थात 1.07 इंच वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 22 मिमी, गाडरवारा में 35 मिमी, गोटेगांव में 20 मिमी, करेली में 40 मिमी और तेंदूखेड़ा में 18 मिमी वर्षा आंकी गई है। 25 जुलाई तक तहसील नरसिंहपुर में 670 मिमी, गाडरवारा में 750 मिमी, गोटेगांव में 620 मिमी, करेली में 607 मिमी और तेंदूखेड़ा में 692 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 409 मिमी अर्थात 16.13 इंच वर्षा हुई थी। इस अवधि में पिछले वर्ष तहसील नरसिंहपुर में 399 मिमी, गाडरवारा में 459 मिमी, गोटेगांव में 520 मिमी, करेली में 278 और तेन्दूखेड़ा में 392 मिमी वर्षा हुई थी।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति तिमाही बैठक व संगोष्ठी संपन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गुरूवार को स्टेशन प्रबंधक कार्यालय में स्टेशन राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही प्रगति समीक्षा बैठक तथा अंतराष्ट्रीय सम्बन्धों में भारत की भूमिका विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक तथा संगोष्ठि की अध्यक्षता रेलवे चिकित्सक डॉक्टर आर आर कुरें द्वारा की गई। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उदबोधन में सभी को बताया कि हिंदी न केवल भारत की राजभाषा है। बल्कि वह पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक सम्पूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने वाली संपर्क भाषा भी है जो सच्चे मायने में राष्ट्रभाषा बनने की हकदार भी है। उन्होंने कहा कि हम हिंदी भाषी क्षेत्र से हैं और सभी अच्छी तरह से हिंदी बोल, लिख और समझते हैं। हमें अपने दैनिक जीवन में राजभाषा का प्रयोग करने में गर्व करना चाहिए। हम अपना सभी कार्यालयीन कार्य हिंदी में करें। बोलने में हिंदी का प्रयोग करें और तो और अपने बच्चों को भी हिंदी भाषा और हिंदी माध्यम से शिक्षा दिलवाएं। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आज मेडीकल जैसी कठिन पढ़ाई भी हिंदी में सरलता से करवाई जा रही है। उन्होंने सभी उपस्थित सदस्यों को अपना अधिकाधिक कार्य राजभाषा हिंदी में करने की शपथ भी दिलवाई। राजभाषा सचिव आशीष रंजन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भारत की भूमिका विश्व गुरु की है।

दुर्घटना से पीड़ित व्यक्ति की मदद करने वाले व्यक्ति को उसी दिन राहवीर योजना से लाभांवित करे

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। आयोजित बैठक में सड़क सुरक्षा समिति के द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। आयोजित बैठक में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के उपायों के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका यातायात प्रभारी और अन्य अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर ने बैठक में जिले के सड़क मार्गों में ब्लैक स्पॉट (दुर्घटना संभावित क्षेत्र) की समीक्षा की। उन्होंने ब्लैक स्पॉट क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यातायात नियमों का पालन कराने के निर्देश दिए, जिससे ब्लैक स्पॉट क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सड़क निर्माण एजेंसियों को निर्माण कार्य के दौरान सड़क डायवर्सन के स्पष्ट संकेतों को प्रदर्शित करना होगा, जिससे वाहन चालक प्रदर्शित संकेतों का पालन कर सके। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण के दौरान निर्माण सामाग्री व्यवस्थित ढंग से रखी जाए। निर्माण सामाग्री सड़क में इधर-उधर न रखें, जिससे दुर्घटना की आशंका न रहे। सड़क निर्माण के दौरान पानी निकासी का प्रबंध एवं सड़क की ऊंचाई का भी ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि वाहनों को क्षतिग्रस्त पुल- पुलिया या सड़क मार्गों से आवागमन न करने दिया जाए। कलेक्टर श्रीमती पटले ने निर्देशित किया कि हाईवे और गांव को जोड़ने वाली सड़कों पर स्पीड ब्रेकर बनाया जाए। शहर और हाईवे को जोड़ने वाली सड़कों पर लाईट लगे हों। नो पार्किंग जोन के बोर्ड लगे हों। सड़क के मोड़ और साईड शोल्डर की झाड़यिों की कटाई की जाये। जिससे वाहन दुर्घटना की संभावना न रहे। सांकेतिक चिन्ह के बोर्ड सड़कों पर अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। दुर्घटना की आशंका वाले क्षेत्र के ब्लैक स्पॉट के बोर्ड लगाये जायें। सड़कों पर जगह- जगह रेडियम रिफ्लेक्टर लगाये जायें। कलेक्टर श्रीमती पटले ने निर्देशित किया कि नगरीय क्षेत्रों के चैराहों और तिराहों पर होर्डिंग्स या पोस्टर न लगाया जाए। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों की दुकानें व्यवस्थित तरीके से लगाने के निर्देश दिए। दुकानदारों को दुकान से आगे सड़क मार्ग तक दुकान न लगाने के लिए समझाइश देने को कहा। इसी प्रकार से सड़क मार्ग के किनारे भी अस्थाई दुकाने या हाथ ठेले न लगाने के निर्देश दिए, जिससे यातायात व्यवस्था सुगम बनी रहे। नगरीय क्षेत्र में स्थल चिन्हित कर अस्थाई दुकानों को लगाने के निर्देश दिए, जिससे आवागमन बाधित न हो। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में लगाए गए अवैध होर्डिंग्स व फ्लैक्स हटाने के निर्देश दिए। यातायात व्यवस्था को दुरूस्त रखने के लिए सड़क मार्ग में स्पीड ब्रेकर, जेब्रा क्रासिंग, डिवाइडर, निर्माण स्थल पर सांकेतिक मार्ग व चिन्ह, बिजली के खंबों को सड़क मार्ग से अलग करना, लाइट रिएक्शन बैरियर लगाना, सड़क मार्ग में प्रकाश का प्रबंध करना तथा अस्थाई पार्किंग व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

हाईवे और गांव को जोड़ने वाली सड़कों पर स्पीड ब्रेकर बनाया जाए

अवैध होर्डिंग्स व फ्लैक्स हटाने के निर्देश

शहर और हाईवे को जोड़ने वाली सड़कों पर लाईट लगे

सांकेतिक चिन्ह के बोर्ड सड़कों पर अनिवार्य रूप से लगाए जाएं।

दुर्घटना की आशंका वाले क्षेत्र के ब्लैक स्पॉट के बोर्ड लगाये जायें।

सड़कों पर जगह- जगह रेडियम रिफ्लेक्टर लगाये जाय

कलेक्टर ने राहवीर योजना एवं हिट एंड रन मोटरयान दुर्घटना, पीड़ित प्रतिकार योजना 2022 की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना से पीड़ित व्यक्ति की मदद करने वाले व्यक्ति को उसी दिन राहवीर योजना से लाभांवित करने की कार्यवाही करे। राहवीर योजना की नियमित रूप से मॉनीटरिंग कर नियमित रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। अनुविभागीय अधिकारी राहवीर योजना के प्रकरणों का निपटारा समय सीमा में करेंगे। इस अवसर पर अज्ञात वाहनों से सड़क दुर्घटना के प्रकरणों के संबंध में भी समीक्षा की गई। उन्होंने अज्ञात वाहनों से हुई सड़क दुर्घटना का निपटारा भी समय सीमा में करने के निर्देश दिए। आयोजित बैठक में शक्कर नदी में बने पुल की भी समीक्षा की गई। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को शक्कर नदी में नवीन पुल निर्माण का प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए।

हड्डी रोग विशेषज्ञों का स्पोर्टिय सुपरवीजन का प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

हड्डी रोग विशेषज्ञों का एक दिवसीय प्रशिक्षण स्पोर्टिय सुपरवीजन आयोजित किया गया। मुख्य प्रशिक्षक राजावाड़ी अस्पताल मुंबई डॉ. चिंतन दोषी द्वारा जिले के क्लबफुटन के बच्चों का उपचार किया गया। साथ ही जिले में पदस्थ डॉक्टरों को प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. दोषी ने बताया कि क्लबफुट एक जन्मजात विकृति है। इसका समय पर उपचार लेने से ठीक किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि क्लबफुट का उपचार पोनसेटी पद्धति से किया जाता है। इसमें कास्टिंग (प्लास्टर), टेनाटॉमी (पीरा), क्लब फुट के लिए विशेष प्रकार के जूते (बेस) से किया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान जिले के क्लबफुट के 43 बच्चों को जिला चिकित्सालय बुलाया गया। इनमें 17 बच्चों को क्लबफुट के विशेष जूते दिए, 8 बच्चों को टेनाटॉमी (वीरा) लगाया गया। इसके अलावा 4 बच्चों की कास्टिंग की गई, जिसमें से 2 बच्चों को प्रथम कास्टिंग की गई और अन्य बच्चों को फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा पैरों की थेरेपी सिखाई गई।

आत्म सुरक्षा प्रशिक्षण शिविर में अपनी सेवाएं दे रहे बच्चों का सम्मान किया गया

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। रानी अवंती बाई भवन में चल रहे 15 दिवसीय निशुल्क आत्म सुरक्षा प्रशिक्षण शिविर में अपनी सेवाएं दे रहे बच्चों का सम्मान भारत विकास परिषद शाखा नरसिंहपुर द्वारा मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र के माध्यम से किया गया यह शिविर 13 जुलाई से 27 जुलाई तक के लिए आयोजित किया गया है शिविर का संचालन नरसिंहपुर नगर के तीन बच्चे जो कि जूडो चैंपियन है ,कुमारी महिमा लोधी, कुमारी मायामणि लोधी एवं मंगलम कुमार लोधी द्वारा नगर के 5 साल से 18 साल तक के बच्चों को यह प्रशिक्षण दे रहे हैंद्य शारीरिक स्वास्थ्य और फिटनेस के लिए जहां एक और जिम और जुम्बा की ओर बच्चों का रुझान हो रहा है वहीं दूसरी ओर इस प्रशिक्षण शिविर में नन्हे मुन्ने बच्चे आत्म सुरक्षा के गुण सीख रहे हैं, इसके माध्यम से शरीर तो स्वस्थ रहता ही है शरीर में लचीलापन भी आता है। लोधी परिवार के इन बच्चों द्वारा दिए जा रहे निशुल्क प्रशिक्षण की सराहना करते हुए परिषद परिवार द्वारा सभी को बधाई दी गई। सम्मान कार्यक्रम में भारत विकास परिषद के रीजनल अध्यक्ष सुनील कोठारी, उमेश दुबे, शिरीष पुरोहित, भारती कौरव ,नमिता कौरव ,संध्या सिंह, मालती पटेल, मंजूलता लोधी एवं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बच्चे और उनके अभिभावकों की उपस्थिति रही।

दुर्गा मंडल द्वारा हरियाली उत्सव मनाया गया

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राम जानकी शिव साई मंदिर के प्रांगण में दुर्गा मंडल द्वारा हरियाली अमावस्या का उत्सव मनाया गया । कार्यक्रम का आरंभ शिव पार्वती पूजन एवं दीप पूजन से किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में संध्या कोठारी, विशिष्ट अतिथि भारती कौरव , मंजू श्रीवास्तव का अभिनंदन मंडल की अध्यक्ष ज्योति तिवारी द्वारा किया गया । उत्सव में सभी महिलाओं ने हरे परिधानों को पहनकर कजरी गीत भजनों की प्रस्तुति पर पैर थिरकने लगे । राधा कृष्ण की मनमोहक झांकी ने सभी का मन मोह लिया और आध्यात्म से जुडे प्रश्नों को गेम के रूप में खेला गया । जिसमें प्रथम भगवती राय, द्वितीय शकुन विश्वकर्मा, तृतीय निधि यादव रही पुरस्कार वितरण मनीषा टंडन के सौजन्य से हुआ । कार्यक्रम का समापन सौभाग्य सामग्री वितरण कर पुजारी भैया राम लहरिया गौरव लहरिया के संध्या आरती द्वारा संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विशेष रूप से कमला मिश्रा, सरोज शर्मा, तुलसा पटेल , सुषमा मिश्राज्योति पचैरी, अर्चना त्रिपाठी , सीमा लहरिया जय श्री नेमा, श्यामा सोनी, ज्योति चैरसिया, नीता सोनी, प्रीति चैरसिया, सरोज ब्रह्मपुरिया, निधि यादव ,सोनाली राय, साधना पटेल, रुक्मणी द्वीमोले, दुर्गा राय, सीता सरिता, ज्योति श्रीवास्तव ,शशी पटेल, राजमणि दुबे , गीता नेमा, संगीता सोनी, नीता सोनी, ममता राघव, रजनी पांडे ,रजनी नेमा आदि सभी बहनों ने योगदान दिया।

नहीं रहे पप्पू महाराज

तेंदूखेड़ा विगत दिवस नगर के प्रतिष्ठित तिवारी परिवार गोपाल लाल मंदिर के अरुण पप्पू तिवारी का असमय दुखद निधन हो जाने पर उन्हें नगर के सभी वर्गों के लोगों ने अपनी अपनी श्रंद्धाजलि अर्पित करते हुए अंतिम विदाई दी। पप्पू महाराज के नाम से विख्यात अरुण तिवारी अनिल अखिलेश अशोक तिवारी के भाई तथा उमेश शरद राजा तिवारी के पूज्य पिता थे।

साहू समाज ने पौधारोपण कर मनाया हरियाली महोत्सव

गोटेगांव विगतदिवस हरियाली अमावस्या के उपलक्ष में साहू समाज उत्थान मंडल एवं बीसी के सदस्यों व महिला मंडल द्वारा पौधा रोपण कर हरियाली अमावस्या महोत्सव मनाया, अयोजन नगर स्थित सिद्धेश्वर कॉलोनी में विराजमान श्री सिद्धेश्वर महाराज की पूजन अर्चन कर मां कर्मा देवीजी की आरती करने के उपरांत उपस्थित महिला मंडल द्वारा पहनकर आई हरी साड़ी उत्साह के साथ वेल, अशोक, जामुन, पारिजात एवं विभिन्न प्रकार के पौधारोपित कर स्वल्पाहार में भजिया एवं गुलगुलों का आनंद उठाया इस अवसर पर रूपवती साहू रचना साहू आशा साहू श्वेता साहू मधु साहू लता साहू साधना साहू नीतू साहू अनसूया साहू अदिति साहू भगवानदास बीडी साहू गुलाब साहू भोला साहू गोलू साहू शिवशंकर साहू शिवम साहू ओम प्रकाश साहू प्रदीप साहू संजय साहू हरीश साहू दुलीचंद साहू पवन साहू घनश्याम साहू आशीष साहू सहित नन्हे मुन्ने बच्चों की उपस्थिति सराहनीय रही।

किसानों से अभद्रता करने के कारण नूर वेयर हाउस को ब्लैकलिस्टेड किया जाए

मूंग उपार्जन की अंतिम तिथि 10 दिन और बढ़ाई जावे

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

सोशल मीडिया में वायरल वीडियो में नूर वेयर हाउस गाडरवारा के संचालक पिता एवं पुत्र मूंग बेचने गए कृषक के साथ की गई मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कर वेयर हाउस को ब्लैक लिस्ट करने की मांग को लेकर भारतीय किसान संघ ने कृषि मंत्री भारत सरकार, मुख्यमंत्री के नाम विज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। ज्ञापन में बताया गया है कि 23 जुलाई को नरसिहंपुर जिले के अंतर्गत गाडरवारा स्थित नूर वेयर हाउस में, किसान सतीश कौरव अपनी ग्रीष्म कालीन मूंग समर्थन मूल्य पर बेचने गया हुआ था जिसका ट्रैक्टर विगत दो तीन दिन से लाईन में लगा हुआ था सतीश कौरव द्वारा पीने के लिए पानी की व्यवस्था करने को कहा गया उक्त बात को लेकर कृषक सतीश कौरव को बुरी तरह मारकर इज्जत को धूमिल किया गया जिसका वीडियो वाट्सअप एवं फेसबुक पर वायरल है। तत्काल रिपोर्ट दर्ज की जाए उक्त नूर वेयर हाउस में कृषकों के लिए पीने के पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं न होना याने डब्ल्यू.डी.आर.ए. की गाईडलाइन के अनुसार सभी मापदण्डों के अनुकूल नहीं है एवं किसानों से अभद्रता करने के कारण नूर वेयर हाउस को तत्काल प्रभाव से ब्लैकलिस्टेड किया जाए। उक्त नूर वेयर हाउस शासकीय जगह में अतिक्रमण कर बनाया गया है जिसकी शीघ्र जांच कर शासकीय जगह से अतिक्रमण मुक्त कराया जावे। जिले में प्रत्येक वेयर हाउसों पर अपनी उपज मूंग बेचने हेतु किसानों के सैंकड़ों की संख्या में ट्रैक्टर खड़े हुए हैं प्रत्येक वेयर हाउसों में स्लॉट बुक कराकर जितने किसान अपनी उपज लिए हुए हैं उन वेयर हाउसों में माल रखने की उतनी क्षमता नहीं है। लगभग जिले में 8-10 हजार पंजीकृत किसान जिला केन्द्र से पोर्टल बंद होने एवं वेयर हाउसों की क्षमता कम करने के कारण स्लॉट बुकिंग नहीं कर पा रहे हैं इसलिए समयावधि के पूर्व शेष बचे हुए पंजीकृत किसानों की स्लॉट बुकिंग एवं उपार्जन व्यवस्था शीघ्र की जावे। जिले में यूरिया खाद कंही पर भी नहीं है यूरिया के अभाव में जिले की मक्का फसल पीली पड़ रही यदा कदा कुछ स्थानों पर थोड़ा बहुत है भी तो किसानों को भीगते हुए दो तीन दिन लाईन में लगने के बाद दो बोरी यूरिया मिल पाता है वहीं दूसरी ओर यूरिया की विशेष कमी के बावजूद भी नरसिंहपुर जिला केन्द्र से लगभग 12 किलोमीटर ग्राम उमरिया में व्यापारी के यहां लगभग 2000 नग बोरी यूरिया ब्लैक करते पकड़ाया गया है जिसकी उच्च स्तरीय जांच कर एफ.आई.आर. दर्ज कराई जावे जिससे इस तरह की घटनाओं की पुर्नावृत्ति न हो। यह कि नरसिंहपुर जिले में ग्रीष्म कालीन मूंग उपार्जन 10 दिन विलम्ब से चालू होने के कारण, उपार्जन की अंतिम तिथि 10 दिन अतिरिक्त और बढ़ाई जावे। ज्ञापन सौंपते समय स्वदेश कोठारी प्रांत मंत्री ,अनिरुद्ध पटेल संभागीय अध्यक्ष ,सरदार सिंह पटेल प्रांतीय सदस्य ,संतोष पटेल जिला अध्यक्ष विष्णु प्रसाद पटेल कोषाध्यक्ष, अभिषेक पटेल जिला मंत्री, अनिल पटेल करेली अध्यक्ष ,गोधन पटेल तहसील अध्यक्ष, सरदार सिंह पटेल भाव सिंह पटेल, मोहन भाई ,चंद्रभान बढ़कर , सुरेश श्रीवास्तव, दिनेश पटेल, केदार पटेल ,संजय पाठक, परमलेश दुबे एवं अन्य किसान उपस्थित थे।

भारतीय किसान संघ ने कृषि मंत्री भारत सरकार मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ ने सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा

विगत दिनों नूर वेयरहाउस संचालकों द्वारा किसानों के साथ मारपीट एवं किसानों के साथ की जा रही असंवेदनशीलता एवं मूंग खरीदी में हो रही परेशानियों व अनियमितताओं को लेकर किसानों ने एस डी एम तेंदूखेड़ा को एक ज्ञापन सौंपा है जिसमें उल्लेख किया गया है कि विगत 23 जुलाई को नूर वेयर हाउस स्थल जमुनाघाटी के पीछे गाडरवारा के संचालकों द्वारा आवेदनकर्ता किसान के साथ मारपीट की गई एवं पानी मांगने पर मारपीट कर अपमानित किया गया। साथ ही मूंग की तुलाई करने से भी मना कर दिया गया। यह अत्यंत निंदनीय व दुर्भाग्यपूर्ण है। इस घटना से संपूर्ण किसान समाज आक्रोशित है एवं पीड़ित महसूस कर रहा है। किसानों ने दोषी संचालकों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही मूंग उपार्जन में स्लाट बुक हर दिवस की जावें वेयरहाउसों में तोलकाटें और हिम्मालो की संख्या बढाई जाये।किसानों को मूंग तुलाई हेतु उपार्जन क्रेन्दो की संख्या बढाई जाये तथा नियत तिथि में मूंग उपार्जन नहीं हो पा रहा है तो उपार्जन की दिनांक बढाई जावे जिससे किसानो की सम्पूर्ण मूंग तुलाई की जा सकें । तुलाई के नाम पर किसानों की उपज अमानक बताकर किसानो को परेशान किया जा रहा है जिसमें सुधार किया जावे। उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के लिए पेय जल एवं ठहरने आदि की व्यावस्था की जावे । मारपीट करने वाले दोषी वेयरहाउस संचालकों पर शीघ्र कठोर कार्यवाही की जाए। सभी वेयरहाउसों की जांच कर मूंग तुलाई व खरीदी की पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। मूंग तुलाई खरीदी केंद्रों पर किसान मित्र या निगरानी समिति की व्यवस्था हो। किसानों के साथ अमानवीय व्यवहार करने वालों पर प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई हो। अन्यथा संपूर्ण किसान समाज को आंदोलन करने के लिए विवश होना पड़ेगा।

विद्यार्थियों को वितरित की गई साईकिल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस शासकीय हाई स्कूल खापा शेढ़ में निशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्राचार्य एस के बक्शी के मार्गदर्शन में निशुल्क साईकिल वितरित की गई। मां सरस्वती की पूजन अर्चना पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य एक के बक्शी द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन का वाचन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनपद पंचायत सदस्य भागवती कूमरे के द्वारा विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि सरपंच रूपलाल ठाकुर तथा पूर्व सरपंच नंदराम ठाकुर ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। सभी आगंतुकों, अभिभावकों, विद्यार्थियों तथा विद्यालय स्टॉफ को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई। छात्र छात्राओं को तिलक लगाकर साइकिल भेंट की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया।कार्यक्रम का संचालन शिक्षक ओंकार गोस्वामी तथा आभार प्रदर्शन शिक्षक आशीष विश्वकर्मा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में गणमान्य नागरिक राजेश कूमरे, शंभू लाल बरकडे, शिक्षक जेपी कोरी, कुबेर सिंह पटेल सहित अभिभावक और विद्यार्थी, ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

जो छूटता है, वही संवरता है जो घर छोड़ता है, वही धर्म का घर बनता है- सदानंदजी

गोटेगांव। समीप परमहंसी गंगा आश्रम आयोजित चातुर्मास कथा श्रृंखला में पूज्य महाराज श्री ने अपने प्रवचनों में बताया राम का पहली बार गृह त्याग जब बालक ने ब्रह्म की भूमिका स्वीकार की,यह कोई वनगमन नहीं था यह बालक का आत्मसमर्पण था। जगद्गुरु पूज्य शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा राम का विश्वामित्रके साथ गमन केवल यज्ञ रक्षा का प्रस्थान नहीं था, यह राम के भीतर ब्रह्म तत्व की पहली जागृति थी।यह पहला क्षण था जब राजमहल के लाड़-प्यार से निकलकर राम ने ब्रह्म-मार्ग स्वीकारा।

विश्वामित्र केवल ऋषि नहीं, आत्मज्ञान के द्वार हैं

विश्वामित्र एक ऋषि नहीं, बल्कि एक परीक्षा हैं, वे ब्रह्मा की भूमिका निभा रहे हैं, जो जीव को घर से निकालकर उसे तप और धर्म की आग में तपाते हैं। यह वही क्षण था जब राम, दशरथ के पुत्र नहीं रहे, वे सनातन धर्म के सेनापति बन रहे थे।

दशरथ केवल पिता नहीं, द्वंद्व का प्रतीक

राजा दशरथ के मन का द्वंद्व केवल एक पिता की पीड़ा नहीं थी। वह पुराने समय और नए समय, मोह और मर्यादा, ममता और प्रतिज्ञा के बीच चल रही अंतर्युद्ध थी। राम देत नहिं बनइ गोसाईं यह केवल दशरथ की ममता नहीं, यह हर उस व्यक्ति की पुकार है जो जीवन में त्याग और धर्म के क्षण में उलझ जाता है।

राम का मौन भीतर की सहमति

पूज्य महाराजश्री ने कहा राम ने कुछ नहीं कहा। न रोए, न हँसे बस एक शांत मौन से चल पड़े। वह मौन ही ब्रह्म की स्वीकृति थी। जब कोई बालक बिना प्रतिकार के गुरु के साथ निकल पड़े समझो उसका चित्त तप के लिए तैयार हो गया है। इस यात्रा में जीवात्मा (राम), विवेक लक्ष्मण के साथ जब गुरु विश्वामित्र की छाया में मोह दशरथ को छोड़ता है तभी जीवन यज्ञ रक्षा (धर्म) योग्य बनता है।

प्रवचन का सार

जो छूटता है, वही संवरता है जो घर छोड़ता है, वही धर्म का घर बनता है। जो पुत्र को त्यागता है, वही पिता कहलाता है। जो गुरुकुल को अपना ले, वही जगतगुरु बनता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शंकराचार्य जी महाराज की निजी सचिव ब्रह्मचारी सुबुद्धानंद जी महाराज दंडी सन्यासियों ब्रह्मचारियों की उपस्थिति रही साथ ही सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु बंधु उपस्थित थे।

कृष्ण कुमार सोनी का स्वर्गवास

गोटेगांव

विगतदिवस नगर के प्रतिष्ठित नागरिक समाजसेवी नर्मदा मंदिर के पास ठाकुर बाबा वार्ड निवासी भगतराम चौराहा स्थित शुभम् बर्तन भंडार के संचालक शुभम् सोनी के पूज्य पिता श्री कृष्ण कुमार सोनी का 65 वर्ष की आयु में अचानक हृदयगति रुक जाने के कारण आकस्मिक निधन हो गया, आप सहज सरल मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे,आपके निधन का समाचार प्राप्त होतेही परिवारजनों व शुभचिंतकों में गहरा शोक व्याप्त हो गया,अंतिम संस्कार शव यात्रा में सभी वर्ग समुदाय के लोगों सहित विभिन्न राजनैतिक सामाजिक स्वयंसेवी संगठनों के जनप्रतिनिधियों ने मुक्ति धाम में बड़ी संख्या में शामिल होकर दाह संस्कार करने के उपरांत उपस्थित जनों ने श्री सोनीजी की दिवंगत आत्मा की शांति हेतु अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संतृप्त परिवार जनों के प्रति शोक संवेदना व्यक्तकरशोकाकुल परिवार जनों को इस गहन दुख सहन करने हेतु परम पिता परमात्मा से प्रार्थना की।

भैसा गांव में हमले का आरोपः घायल युवक ने की कार्रवाई की मांग

गोटेगांव

थाना अंतर्गत ग्राम भैसा निवासी आनंद पटेल ने गांव के ही दो लोगों पर हमला कर गंभीर रूप से घायल करने का आरोप लगाया है। पीड़ित का कहना है कि उसने आरोपियों के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने मामले को हल्का बताते हुए गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज नहीं किया। उसने अब प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है।

पीड़ित आनंद पटेल के अनुसार, घटना 22 जुलाई 2025 की शाम लगभग 7:30 बजे की है। उन्होंने बताया कि ग्राम भैसा निवासी देवेन्द्र पटेल और उसका बेटा चंदन पटेल उनके घर के सामने आए और शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगे। मना करने पर दोनों ने गाली-गलौच शुरू कर दी। जब उन्होंने विरोध किया तो देवेन्द्र पटेल दौड़कर अपने घर से बंदूक (व्यूक) ले आया और उसके बट से आनंद पटेल के सिर पर वार किया। हमले में उनका सिर फट गया, जिस पर आठ टांके आए हैं। साथ ही दाहिने कान के पास भी गंभीर चोट आई है। पीड़ित का कहना है कि इस घटना के बाद उन्होंने थाना गोटेगांव में शिकायत दर्ज कराई, जहां अपराध क्रमांक 537/25 के तहत धारा 296, 115(2), 118(1), 351(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला तो दर्ज किया गया, लेकिन बंदूक से हमले और गंभीर चोट की बात को नजरअंदाज कर महज लकड़ी से मारने की बात लिख दी गई। इसके अलावा, शराब के लिए पैसे मांगने पर कोई स्पष्ट कानूनी धाराएं भी नहीं लगाई गईं।

आनंद पटेल ने आरोप लगाया कि आरोपी प्रभावशाली और धनाढ्य हैं, जिस कारण पुलिस ने मामले में गंभीर धाराएं नहीं जोड़ीं और अब दोनों आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। पीड़ित ने दावा किया कि उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी मिल रही है।

प्रशासन से की कार्रवाई की मांग

पीड़ित ने मांग की है कि आरोपीगण के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 117(2), 118(2), 119(1) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें तत्काल प्रभाव से गिरफ्तार किया जाए। साथ ही, घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।